6

भारत देश

तुमने कक्षा 6, 7 तथा 8 में अनेक देशों व प्रदेशों के बारे में पढ़ा, ज़रा सूची बनाओ :

1.	2.	3.
4.	5.	6.
7.	8.	9.
10.	11.	12.

क्या तुम्हें वे सब एक जैसे लगे? किन बातों में भिन्न लगे?
नीचे दी गई बातों के आगे उनसे संबंधित देश/प्रदेश लिखो :

1. साल में छह महीने दिन, छह महीने रात ----------
2. साल भर अधिक वर्षा और साल भर गर्मी ----------
3. ठंड और गर्मी की अलग-अलग ऋतुएं ----------
4. भूमध्यरेखीय घने जंगल ----------
5. वृक्षहीन प्रदेश ----------
6. नुकीली पत्ती के कोणधारी पेड़ ----------
7. साल भर हल्की रिमझिम वर्षा ----------
8. सीढ़ीनुमा खेत ----------
9. भेड़ पालना ----------
10. कड़ी व सूखी घास के मैदान ----------
11. मुलायम रसीली घास के मैदान ----------
12. छोटी-छोटी मशीनों से खेती ----------
13. खनिज तेल ----------
14. अधिकांश जनसंख्या का उद्योगों में काम करना ----------
15. सोने, हीरे, क्रोम आदि की खदानें ----------
16. बड़े फार्मों में बड़ी मशीनों से खेती ----------

अब तुम्हें अंदाज़ हुआ होगा कि संसार में कितने तरह-तरह के प्रदेश हैं। कहीं कड़ाके का जाड़ा तो कहीं भीषण गर्मी पड़ती है। कहीं घने वन तो कहीं रेगिस्तान हैं। जापान जैसे छोटे देश में बहुत लोग बसे हैं। संयुक्त राज्य अमरीका बहुत विशाल देश होते हुए भी वहां थोड़े से लोग रहते हैं।

आओ! अब अपने देश के बारे में पढ़ें। तभी तो समझ में आएगा कि भारत संसार के अन्य प्रदेशों से किन बातों में समान है और किन बातों में भिन्न। अपना देश इतना विशाल है कि पूरा देश एक समान नहीं

है। इसलिए यही ठीक रहेगा कि पहले भारत को हिस्सो मे बांट ले, तब उसके बारे में पढ़े।

तुम रोज़ ही अखबार या टी.वी. पर भारत के कई राज्यों के बारे मे सुनते हो। तुमने इन राज्यों के बारे मे भी सुना होगा - राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, गुजरात। ये वे राज्य हैं जो मध्य प्रदेश के चारो ओर स्थित हैं।

क्या तुम बता सकते हो कि जिस राज्य मे तुम रहते हो, वहां से किन दिशाओं मे चलने पर इन राज्यो मे पहुंचोगे?

दीवार पर मानचित्र को टांग लो।

यहां भारत के राज्यों के नक्शे दिए है। इनमें रंग भरो।

पृष्ठ 258 को काट कर निकाल लो। इस पन्ने को पुरानी कॉपी के गत्ते पर चिपका लो। इस पर भारत के अलग-अलग राज्य के नक्शे दिए हैं। उन्हें काट लो और राज्यों को सही तरीके से जोड़ कर भारत का नक्शा बनाओ।

प्राकृतिक बनावट

तुम जानते हो कि प्राकृतिक बनावट के अनुसार मोटे तौर पर तीन प्रकार के प्रदेश हैं - पहाड़, पठार और मैदान।

इस तरह, बनावट के आधार पर हम भारत को निम्नलिखित हिस्सो मे बांट सकते हैं :-

1. हिमालय पर्वत
2. गंगा-सतलज का मैदान (उत्तर का मैदान)
3. दकन का पठार
4. समुद्र तटीय मैदान
5. थार का मरुस्थल

इन्हें मानचित्र मे पहचानो।

हर प्राकृतिक प्रदेश के साथ लिखो कि उसमें भारत के कौन-कौन से राज्य आते हैं।

इन प्राकृतिक प्रदेशों को अच्छी तरह जानने के लिए भारत के प्राकृतिक प्रदेशों का प्लास्टिक पर बना नक्शा कक्षा में लाकर देखो।

o o o o

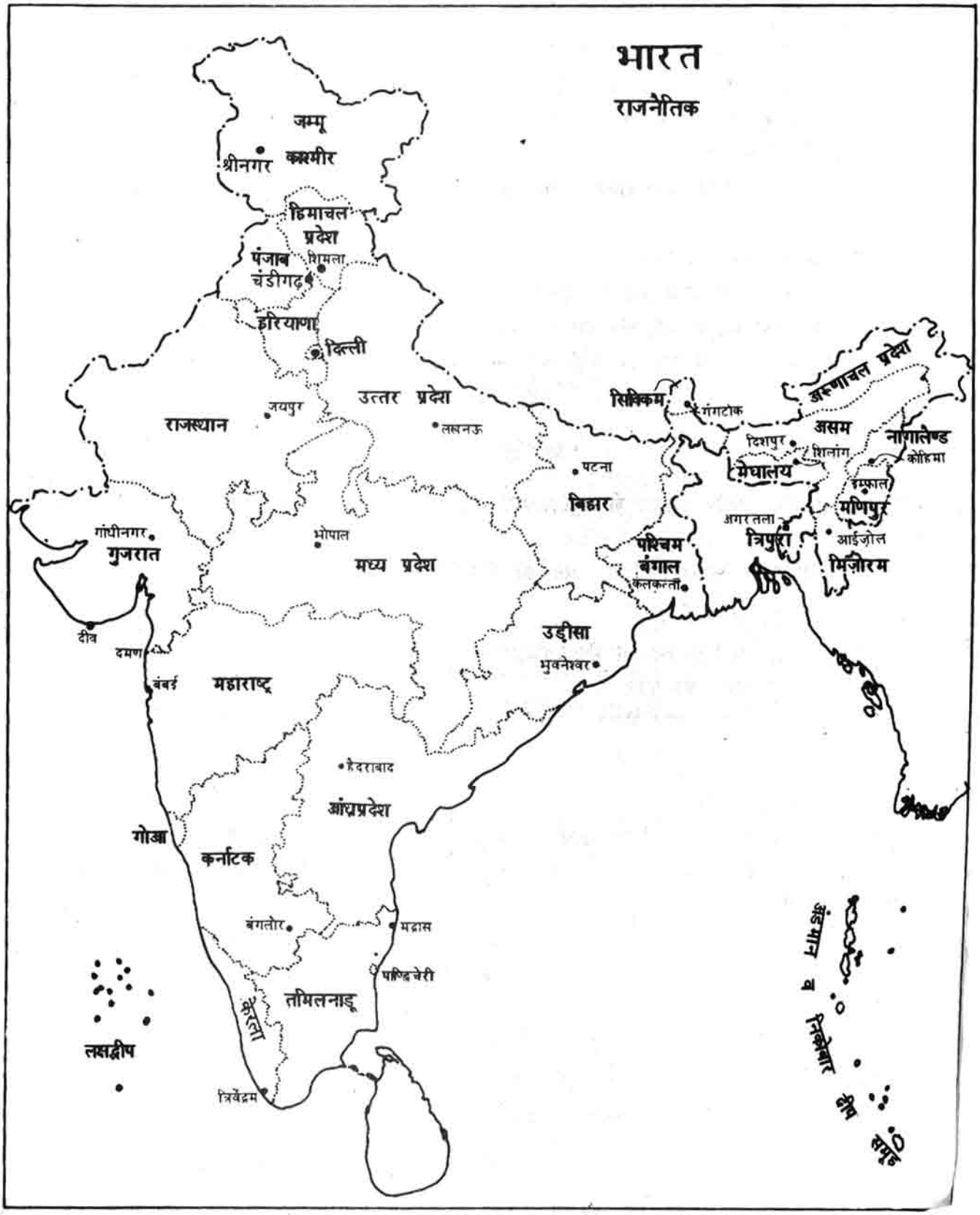
भारत
राजनैतिक
जम्मू
श्रीनगर
कश्मीर
हिमाचल
प्रदेश
पंजाब
शिमला
चंडीगढ़
हरियाणा
दिल्ली
उत्तर प्रदेश
राजस्थान
जयपुर
लखनऊ
सिक्किम
गंगटोक
अरुणाचल प्रदेश
असम
दिशपुर
शिलांग
नागालैण्ड
कोहिमा
मेघालय
इम्फाल
मणिपुर
अगरतला
त्रिपुरा
आईज़ोल
मिज़ोरम
पटना
बिहार
गांधीनगर
गुजरात
भोपाल
मध्य प्रदेश
पश्चिम
बंगाल
कलकत्ता
दीव
दमण
बंबई
महाराष्ट्र
उड़ीसा
भुवनेश्वर
हैदराबाद
आंध्रप्रदेश
गोआ
कर्नाटक
बंगलोर
मद्रास
पांडिचेरी
तमिलनाडु
केरला
लक्षद्वीप
त्रिवेंद्रम
अंडमान व निकोबार द्वीप समूह

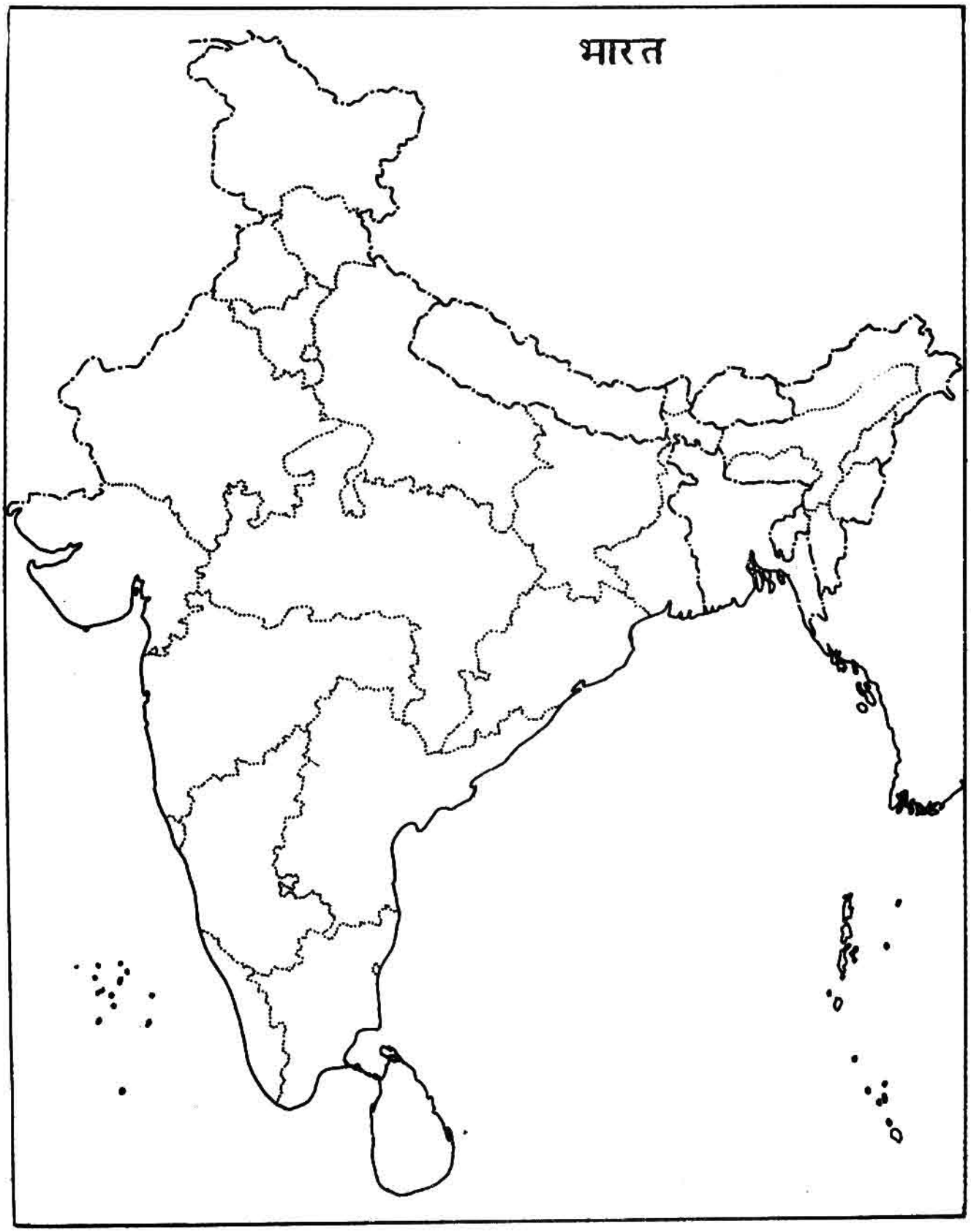
भारत

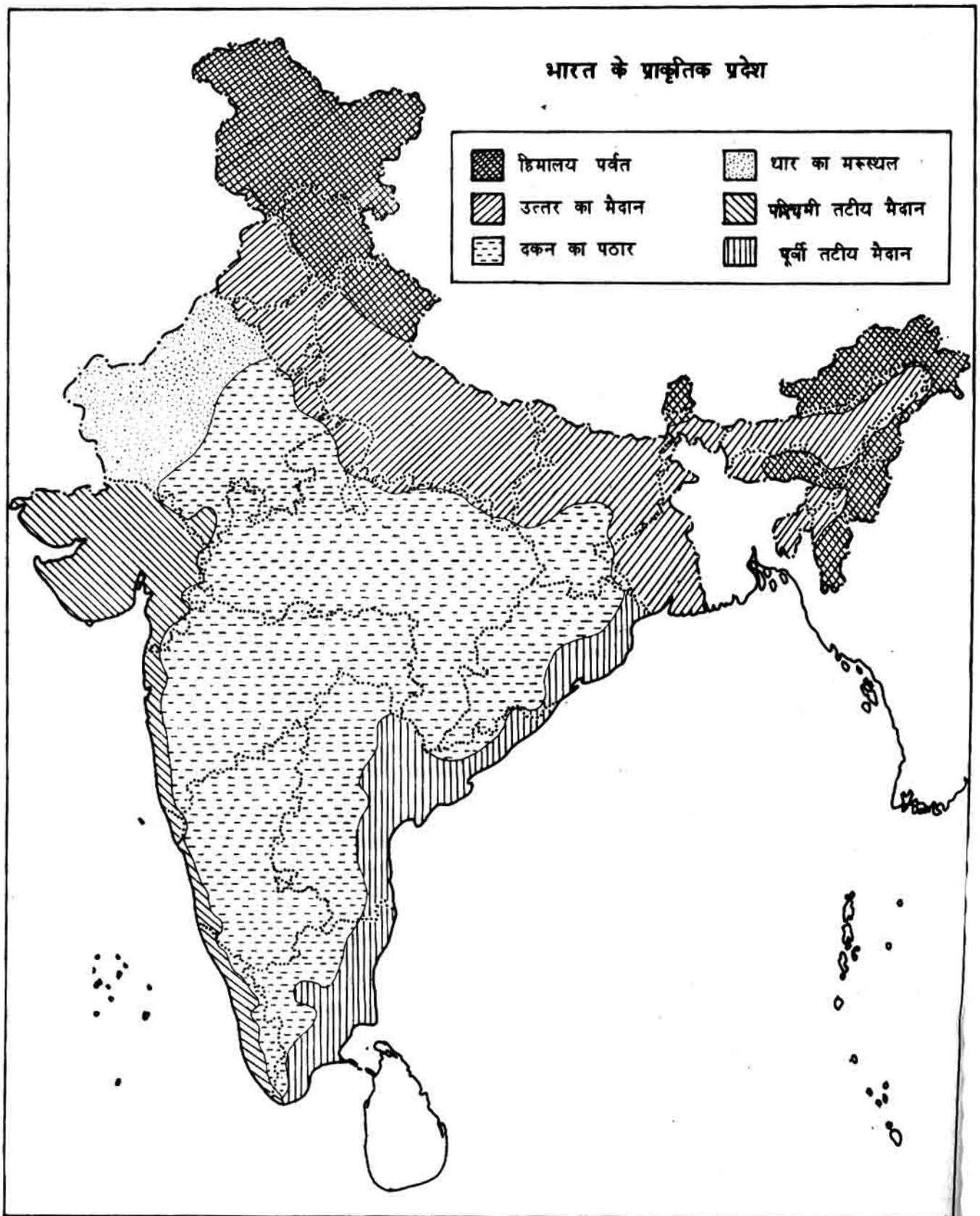
भारत के प्राकृतिक प्रदेश
हिमालय पर्वत
उत्तर का मैदान
दकन का पठार
थार का मरुस्थल
पश्चिमी तटीय मैदान
पूर्वी तटीय मैदान

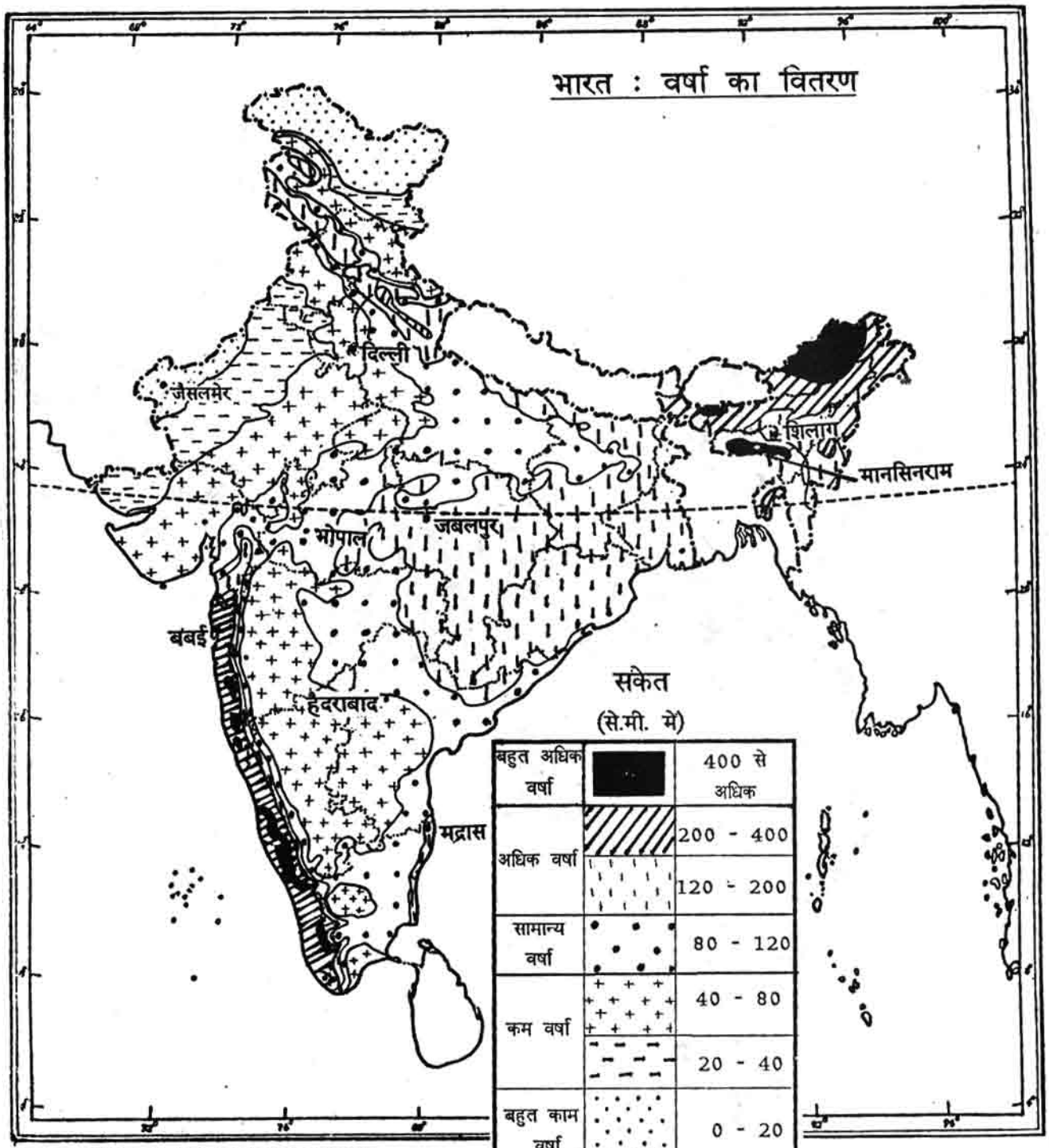

Based upon Survey of India Outline Map printed in 1987.

The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line.

The boundary of Meghalaya shown on this map is as interpreted from the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971, but has yet to be verified.

Responsibility for correctness of internal details shown on the map rests with the publisher.

© Government of India copyright, 1987.

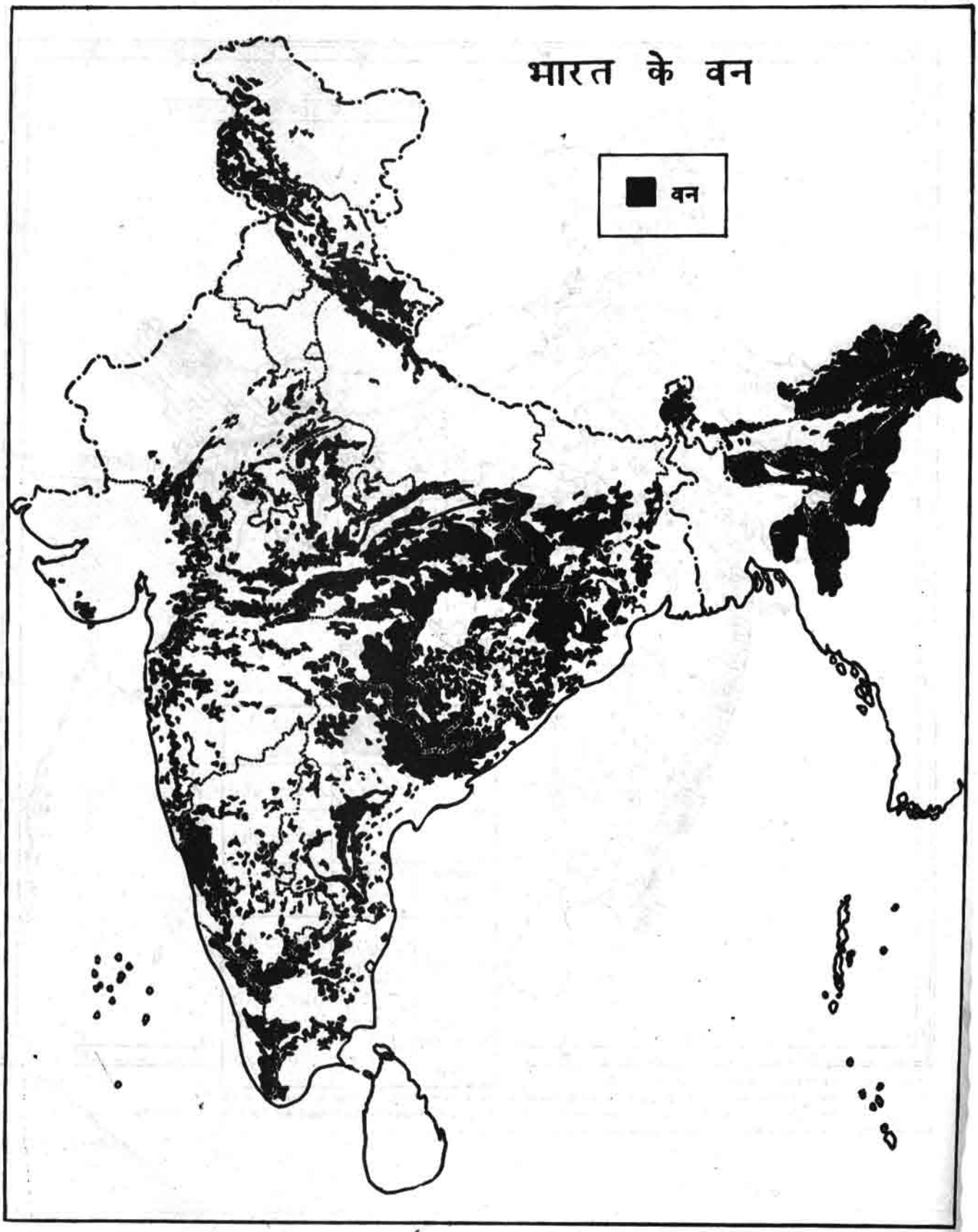
भारत के वन
वन

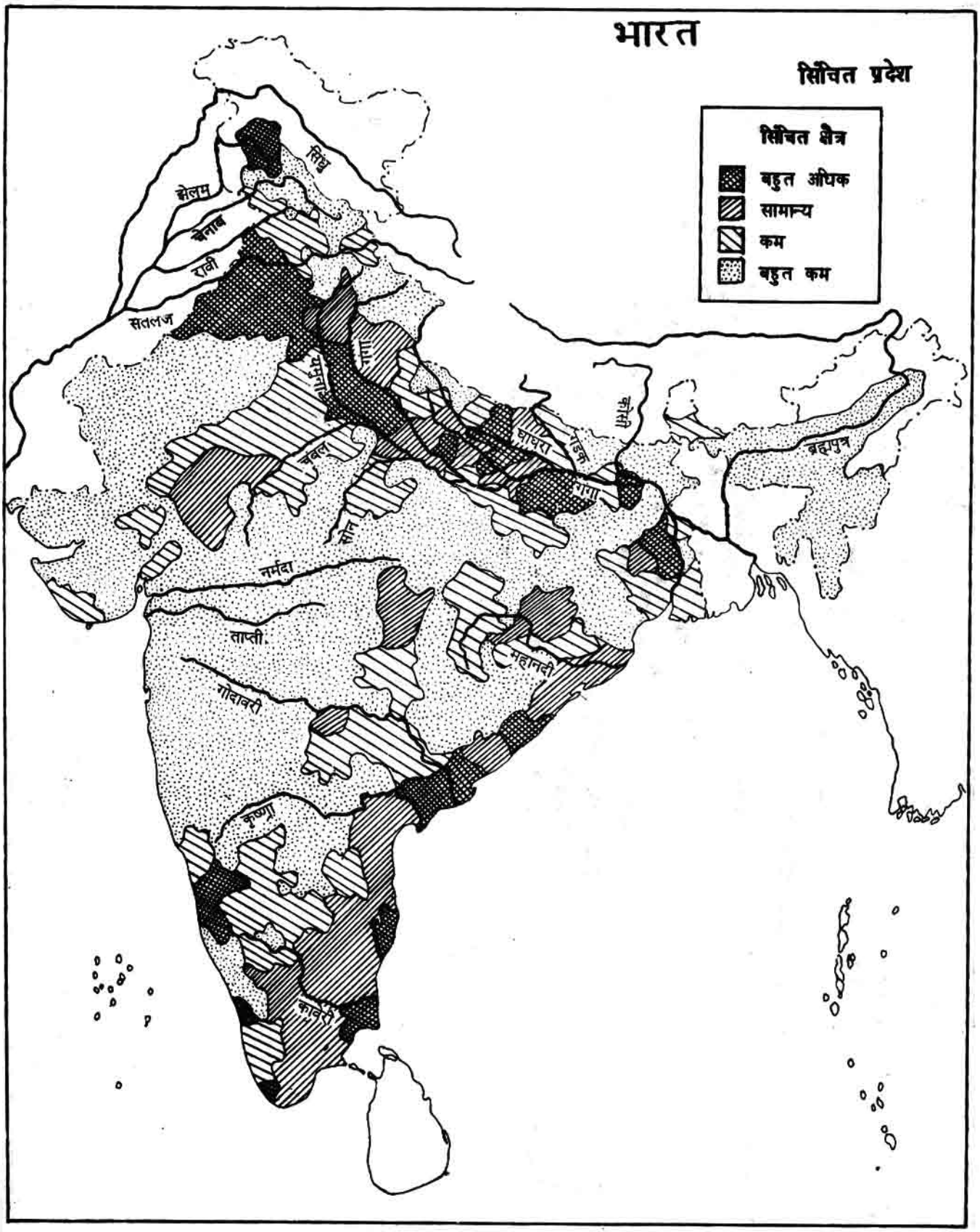
भारत
सिंचित प्रदेश
सिंचित क्षेत्र
बहुत अधिक
सामान्य
कम
बहुत कम
सिंधु
झेलम
चेनाब
रावी
सतलज
यमुना
गंगा
घाघरा
गंडक
कोसी
ब्रह्मपुत्र
चंबल
सोन
नर्मदा
ताप्ती
महानदी
गोदावरी
कृष्णा
कावेरी

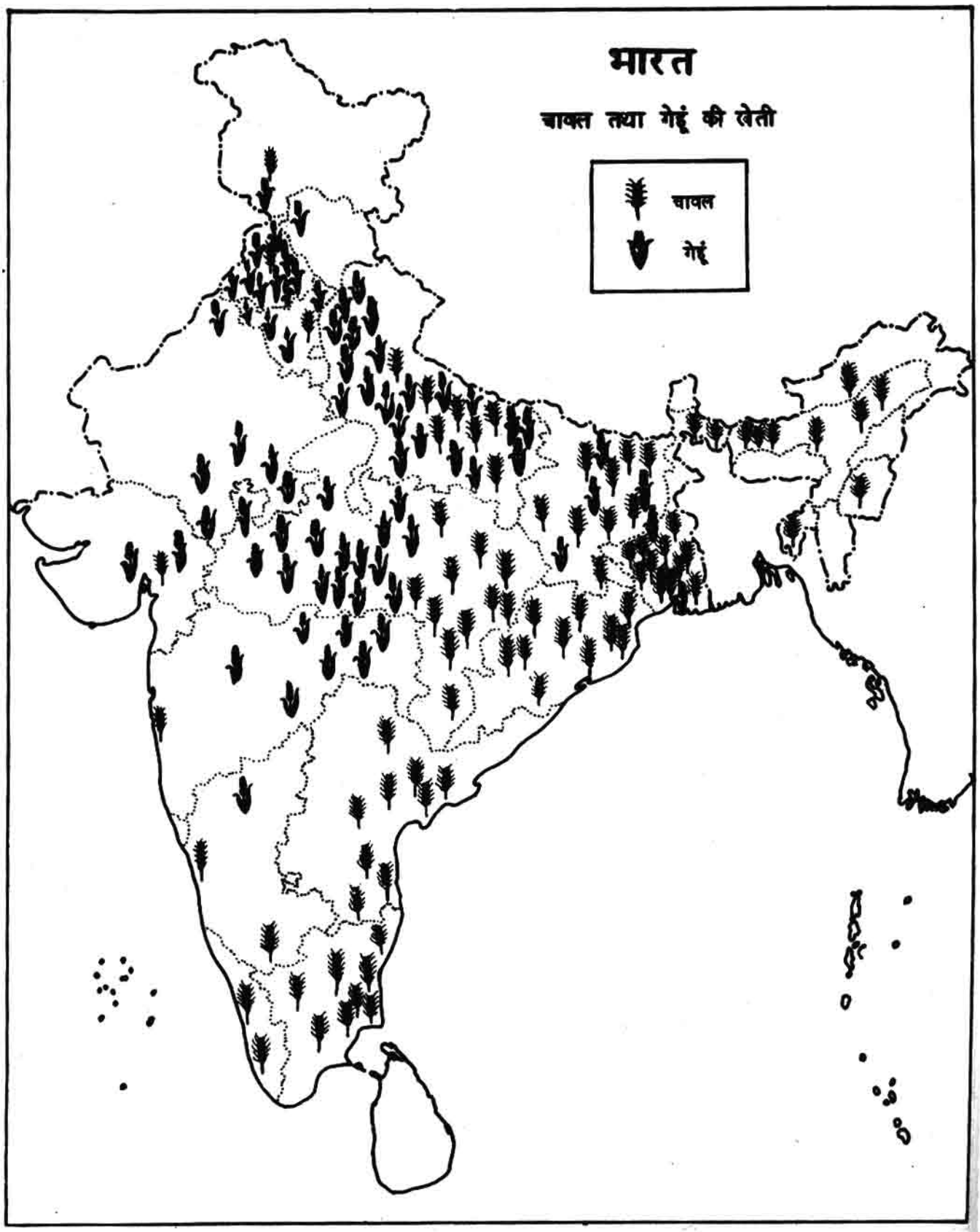
भारत
चावल तथा गेहूं की खेती
चावल
गेहूं

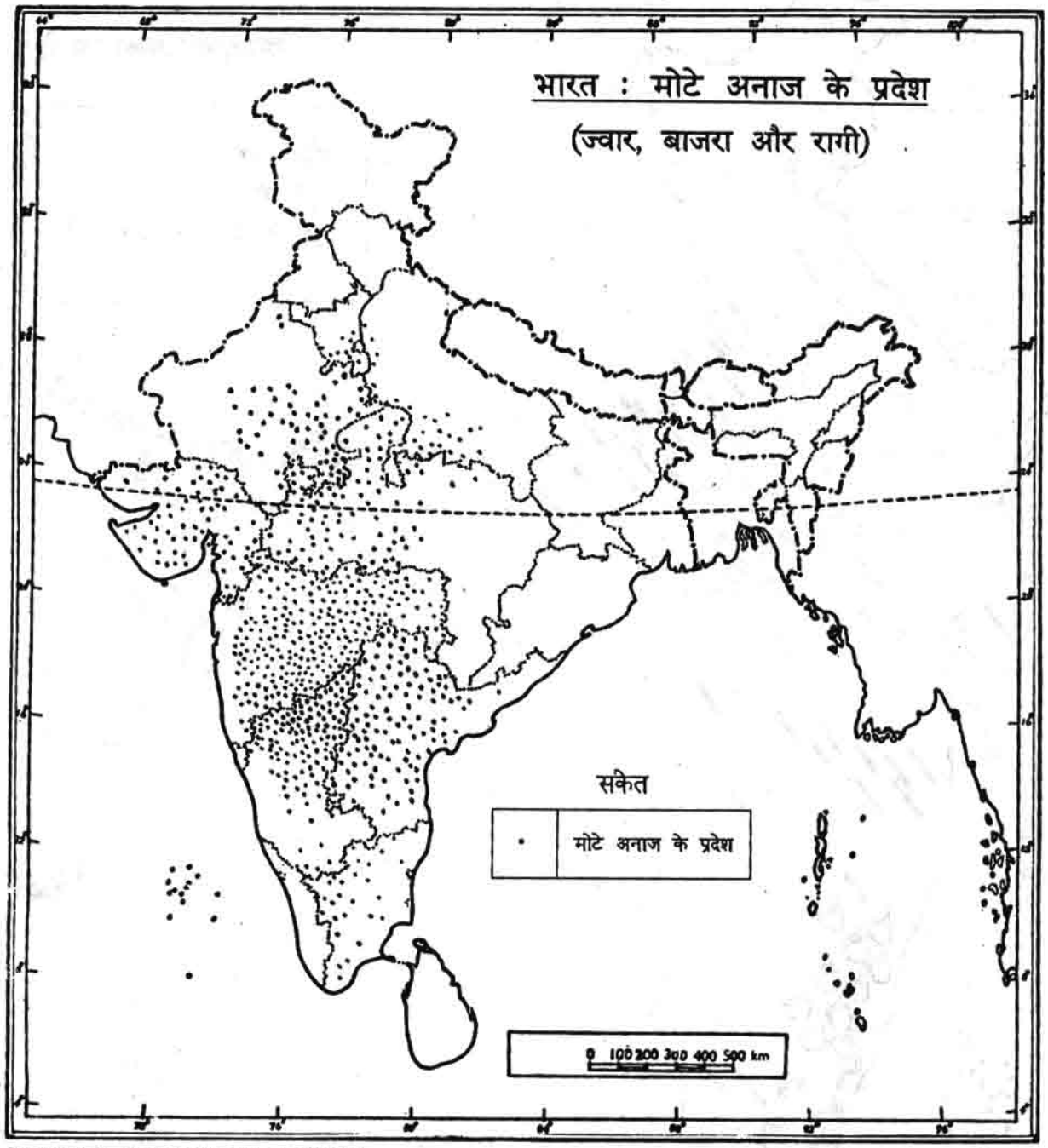

Based upon Survey of India Outline Map printed in 1987.
The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line.
The boundary of Meghalaya shown on this map is as interpreted from the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971, but has yet to be verified.
Responsibility for correctness of internal details shown on the map rests with the publisher.

© Government of India copyright, 1987.

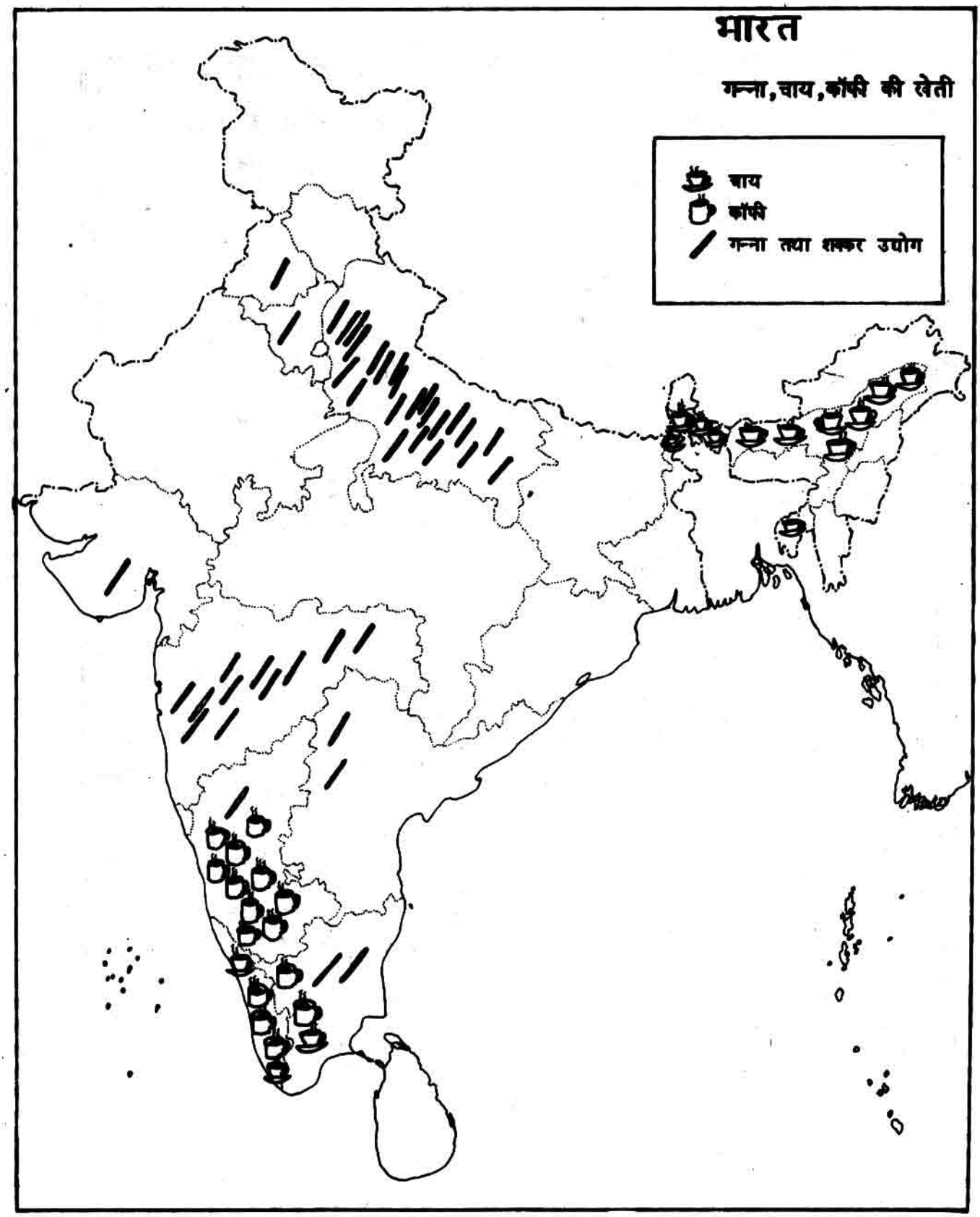
भारत
गन्ना, चाय, कॉफी की खेती
चाय
कॉफी
गन्ना तथा शक्कर उद्योग

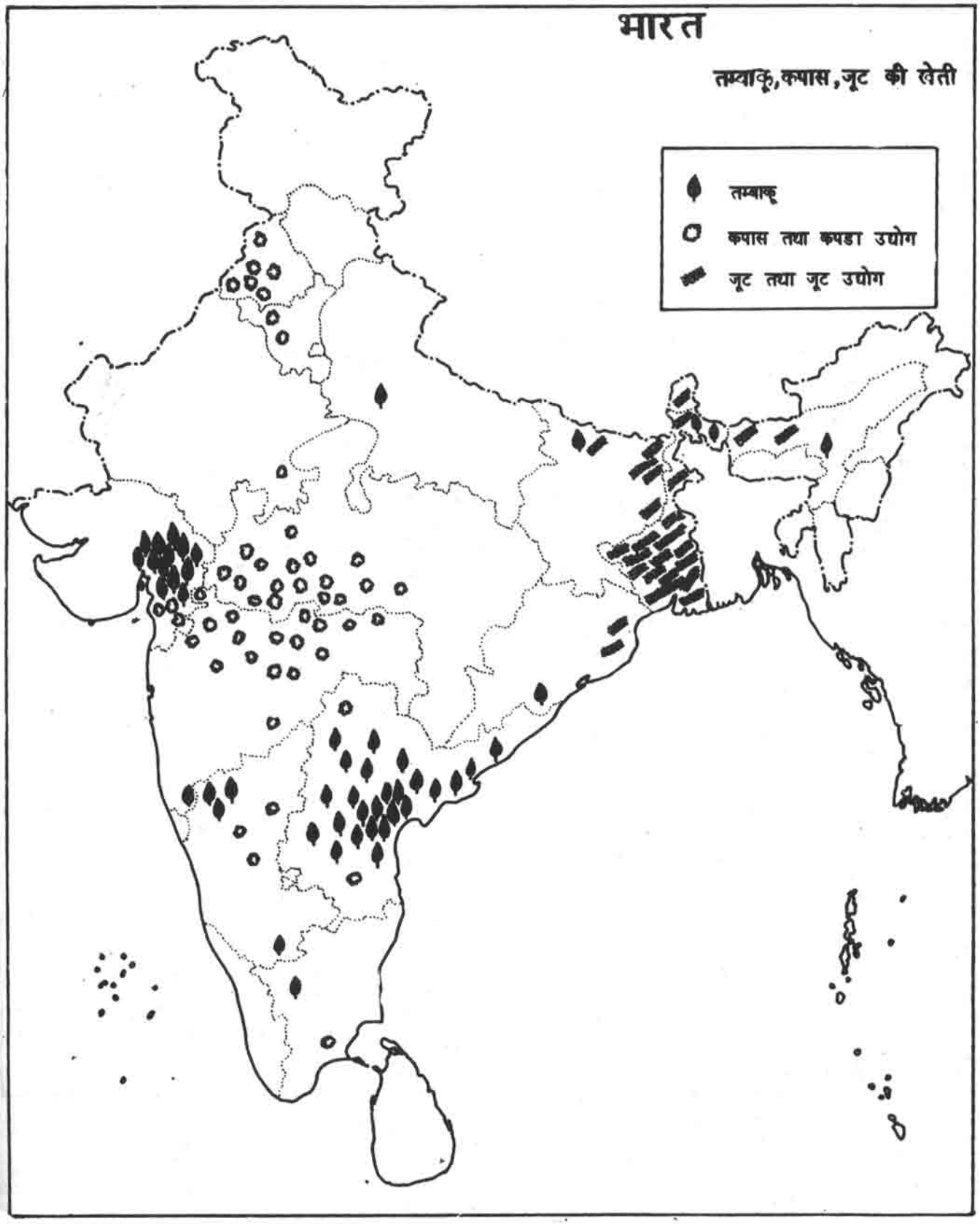
भारत
तम्बाकू, कपास, जूट की खेती
तम्बाकू
कपास तथा कपडा उद्योग
जूट तथा जूट उद्योग

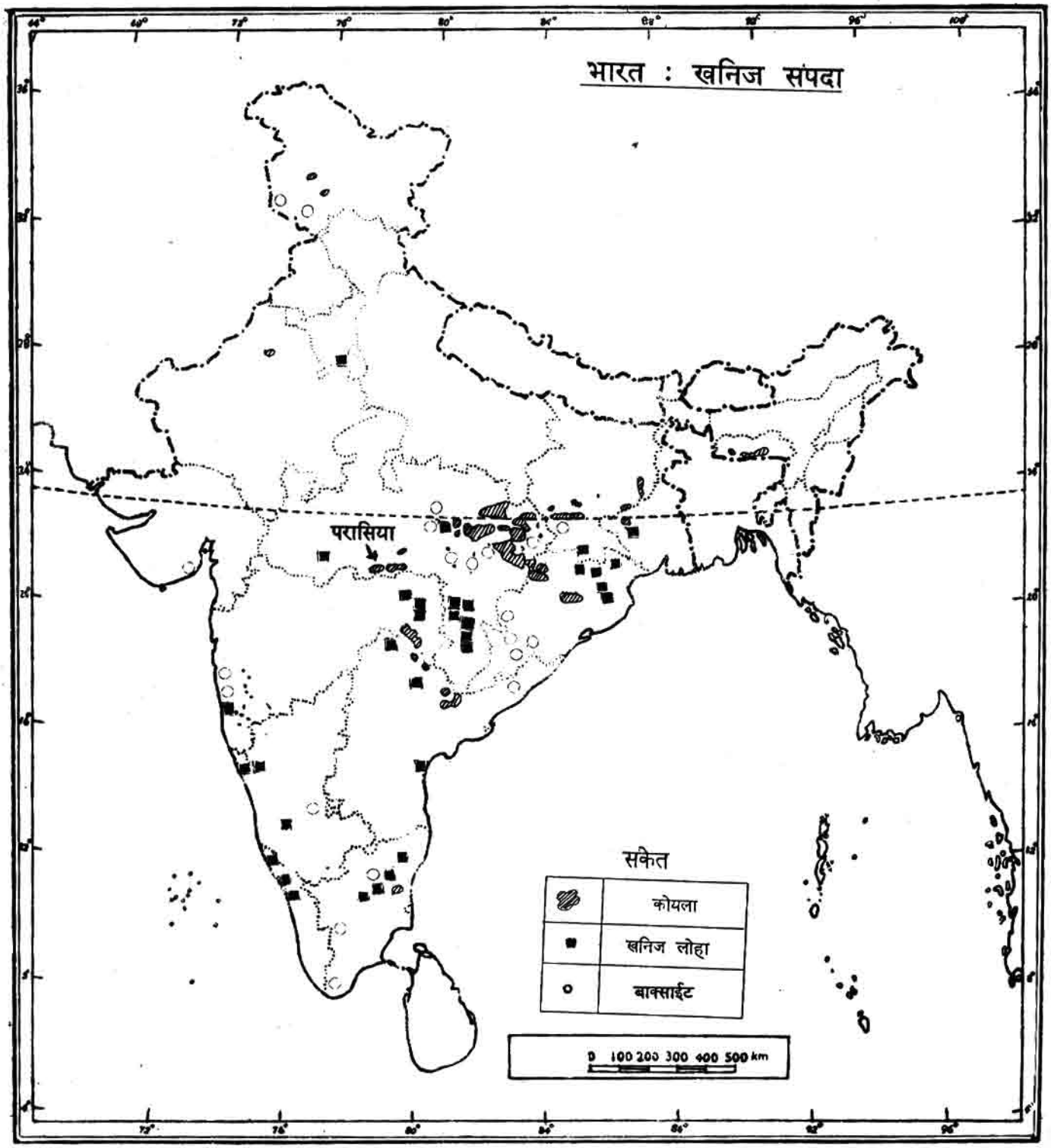

Based upon Survey of India Outline Map printed in 1967.

The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line.

The boundary of Meghalaya shown on this map is as interpreted from the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971, but has yet to be verified.

Responsibility for correctness of internal details shown on the map rests with the publisher.

© Government of India copyright, 1987

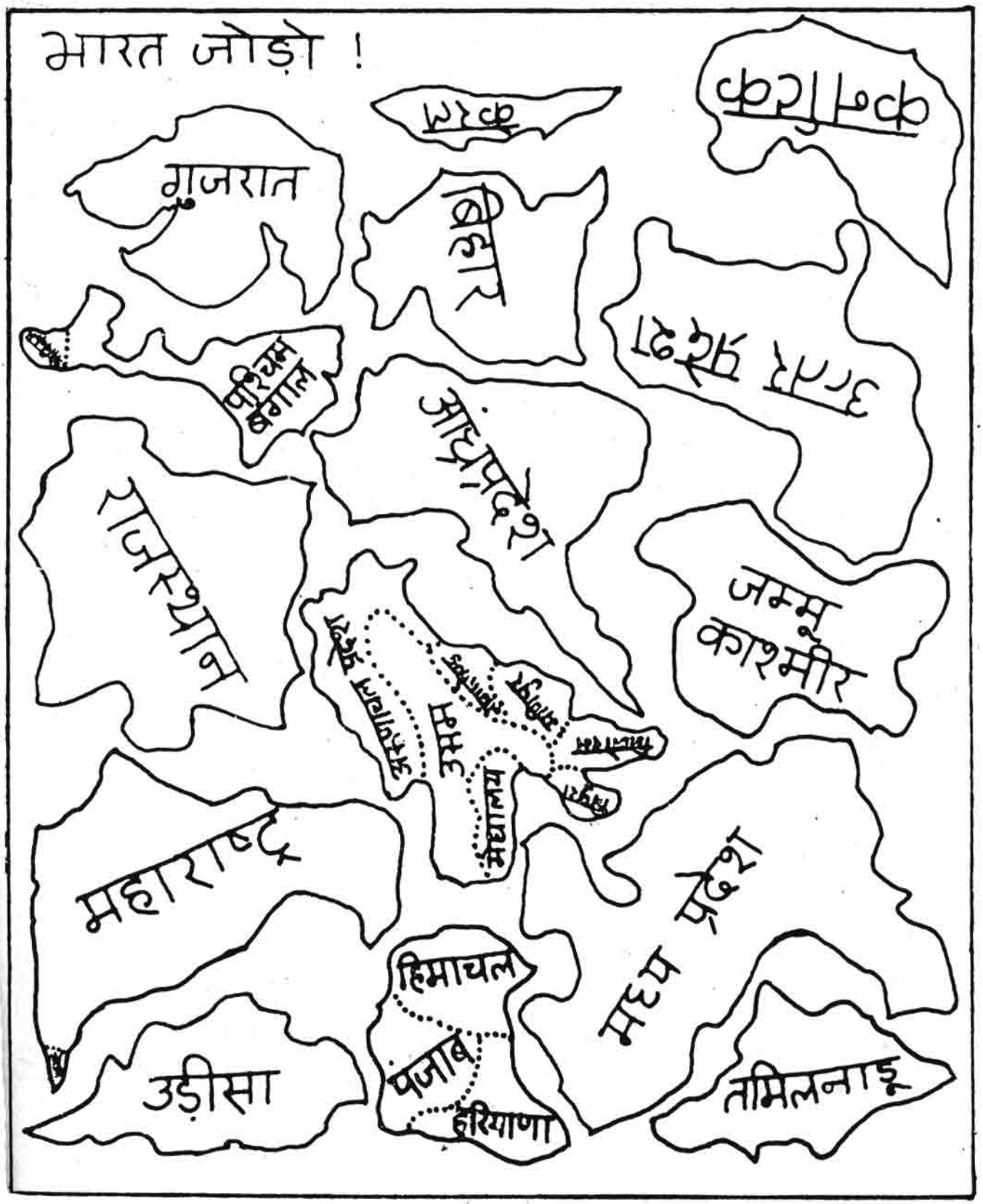
भारत जोड़ो !
गुजरात
बिहार
पश्चिम बंगाल
आंध्रप्रदेश
राजस्थान
जम्मू काश्मीर
महाराष्ट्र
उड़ीसा
हिमाचल
पंजाब
हरियाणा
तमिलनाडु

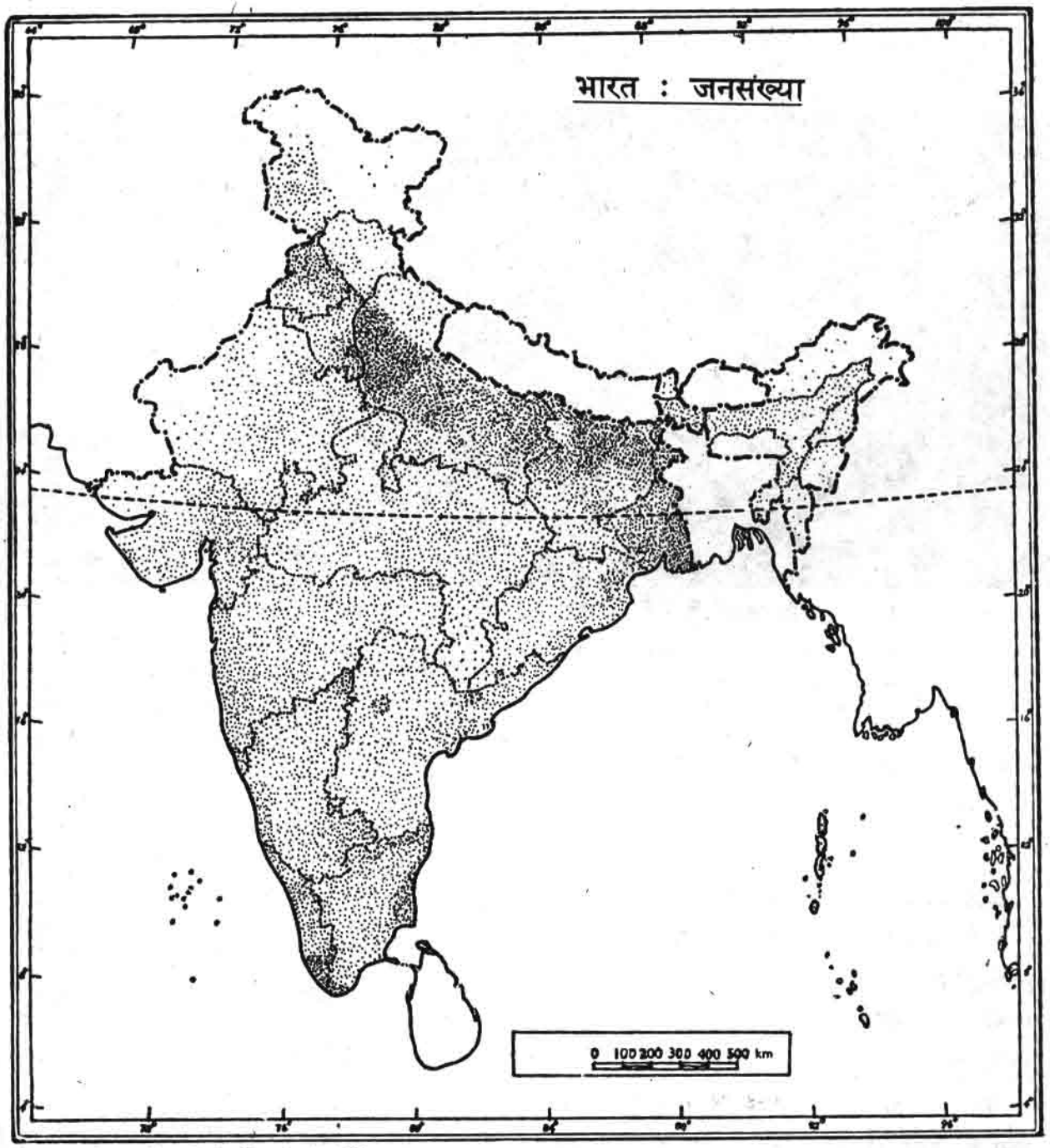

Based upon Survey of India Outline Map printed in 1987.
The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line.
The boundary of Meghalaya shown on this map is as interpreted from the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971, but has yet to be verified.
Responsibility for correctness of internal details shown on the map rests with the publisher.

© Government of India copyright, 1987.